प्रीलिम्स फैक्ट्स: 16 जनवरी, 2019

'वन फैमिली, वन जॉब' योजना ('One Family, One Job' Scheme)

हाल ही में सिक्किम में **'एक परिवार, एक नौकरी/वन फैमिली, वन जॉब'** योजना शुरू की गई है।

- इस योजना के तहत राज्य में प्रत्येक उस परिवार के एक सदस्य को रोज़गार दिया जाएगा, जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं है।
- इसके अंतर्गत खेती और कृषि संबंधी सभी ऋण भी निरस्त कर दिये जाएंगे।
- वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार के 12 विभागों में ग्रुप 'सी' और ग्रुप 'डी' पदों के लिये भर्तियाँ की जा रही हैं।

विज्ञान संचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की पहल (National level initiatives in the field of science communication)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Science and Technology-DST) ने दूरदर्शन (DD), प्रसार भारती के साथ मिलकर विज्ञान संचार के क्षेत्र में दो पहलों- **'डीडी साइंस' (DD Science)** और **'इंडिया साइंस' (India Science)** की शुरुआत की है।

- भारत में विज्ञान संचार के इतिहास में मील का पत्थर माने जाने वाले ये दोनों विज्ञान चैनल देश में एक राष्ट्रीय विज्ञान चैनल की शुरुआत करने की दिशा में आरंभिक कदम है।
- इनका **कार्यान्वयन एवं प्रबंधन विज्ञान प्रसार (Vigyan Prasar)** द्वारा किया जा रहा है।
- डीडी साइंस, दूरदर्शन न्यूज़ चैनल पर एक घंटे का स्लॉट है, जबकि इंडिया साइंस, इंटरनेट आधारित चैनल है, जो किसी भी इंटरनेट आधारित उपकरण पर उपलब्ध है।
- इन दोनों चैनलों के ज़रिये विज्ञान आधारित वृत्तचित्र (Documentaries), स्टूडियो आधारित परिचर्चाओं एवं वैज्ञानिक संस्थानों के आभासी पूर्वाभ्यास, साक्षात्कार और लघु फिल्मों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- ये चैनल दर्शकों के लिये पूरी तरह से निःशुल्क होंगे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST)

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) की स्थापना मई 1971 में की गई थी।
- इसका उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों को बढ़ावा देना और देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी गतिविधियों के आयोजन, समन्वय और प्रचार के लिये एक केंद्रीय विभाग के रूप में काम करना है।

प्रसार भारती (Prasar Bharti)

- प्रसार भारती एक स्वायत्त वैधानिक निकाय है जो प्रसार भारती अधिनियम के तहत 23 नवंबर, 1997 को अस्तित्व में आया।
- यह देश का सार्वजनिक सेवा प्रसारक (Public Service Broadcaster) है।
- प्रसार भारती अधिनियम में संदर्भित सार्वजनिक सेवा प्रसारण उद्देश्यों को आल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। उल्लेखनीय है कि ये दोनों पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन मीडिया यूनिट के रूप कार्य करते थे और प्रसार भारती की स्थापना के बाद इसके घटक बन गए थे।

विज्ञान प्रसार (Vigyan Prasar)

- वर्ष 1989 में स्थापित विज्ञान प्रसार (वि.प्र.), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्तशासी संस्था है।
- इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर विज्ञान को लोकप्रिय बनाने हेतु कार्यों/गतिविधियों की शुरुआत करना, वैज्ञानिक एवं तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और उनका प्रचार-प्रसार करना तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार हेतु संसाधन-सह-सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करना है।

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019 (National Youth Parliament Festival 2019)

हाल ही में युवा मामले और खेल मंत्रालय (Ministry of Youth Affairs and Sports) ने राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019 की शुरुआत की।

- इस महोत्सव की शुरुआत राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के अवसर पर की गई तथा इसकी प्रक्रिया 24 फरवरी, 2019 तक जारी रहेगी।
- इस महोत्सव का आयोजन तीन स्तरों पर किया जाएगा-

1. ज़िला स्तर पर- ज़िला युवा संसद (District Youth Parliament-DYP)
2. राज्य स्तर पर- राज्य युवा संसद (State Youth Parliament-SYP)
3. राष्ट्रीय स्तर पर- राष्ट्रीय युवा संसद (National Youth Parliament-NYP)

- राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019 को **"नए भारत की आवाज़ बनो"** तथा **"उपाय ढूंढो और नीति में योगदान करो"** (Be The Voice of New India and Find solutions and contribute to policy) की थीम पर आयोजित किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme) और नेहरू युवा केंद्र संगठन (Nehru Yuva Kendra Sangthan) इसके संचालन और प्रबंधन में विभिन्न स्तरों पर शामिल होंगे।
- राष्ट्रीय युवा संसद के तीन सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं को प्रधानमंत्री द्वारा क्रमशः 2 लाख, 1.50 लाख और 1 लाख रुपए की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा।

अगस्त्याकूर्दम चोटी

हाल ही में सबरीमाला स्थित अयप्पा मंदिर (Ayyappa Temple) में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति के बाद केरल के ही एक अन्य स्थान पर लैंगिक भेदभाव को मिटाने वाला कदम उठाया गया है।

- राज्य की दूसरी सबसे ऊँची चोटी, अगस्त्याकूर्दम (Agasthyarkoodam) की ओर जाने वाले दुर्गम मार्ग को पहली बार महिलाओं के लिये खोला गया है।

♦ पश्चिमी घाट और दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी अनई मुड़ी (**Anai Mudi**) है जिसकी ऊँचाई 2,695 मीटर है।

- रक्षा प्रवक्ता, के. धन्या सानल (K Dhanya Sanal) अगस्त्याकूर्दम चोटी की यात्रा करने वाली पहली महिला बन गई है।
- केरल उच्च न्यायालय के आदेश के बाद, वन विभाग ने महिलाओं पर लगे प्रतिबंध को हटाया है।
- पहाड़ी की तलहटी पर रहने वाली स्थानीय कानी जनजाति इस फैसले का विरोध करती रही है। उनके अनुसार, यह पर्वत शृंखला 'अगस्त्य मुनि' का पवित्र निवास स्थान है।
- अगस्त्याकूर्दम चोटी केरल के अगस्त्याकूर्दम जीवमंडल रिज़र्व (**Agasthymala Biosphere Reserve**) में नेय्यर वन्यजीव अभयारण्य (Neyyar Wildlife Sanctuary) में स्थित है।
- अगस्त्याकूर्दम जीवमंडल रिज़र्व 2016 में यूनेस्को द्वारा '**वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व**' (World Network of Biosphere Reserves) में जोड़े गए 20 नए स्थलों में से एक है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-16-01-2019